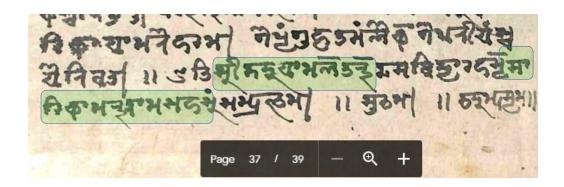
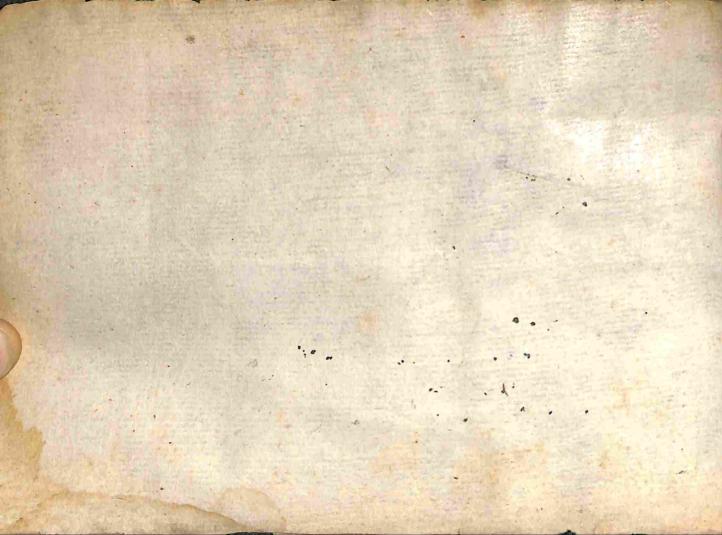
Title: Shri Sharika Nama Sahasram (from Shri Rudrayamala)

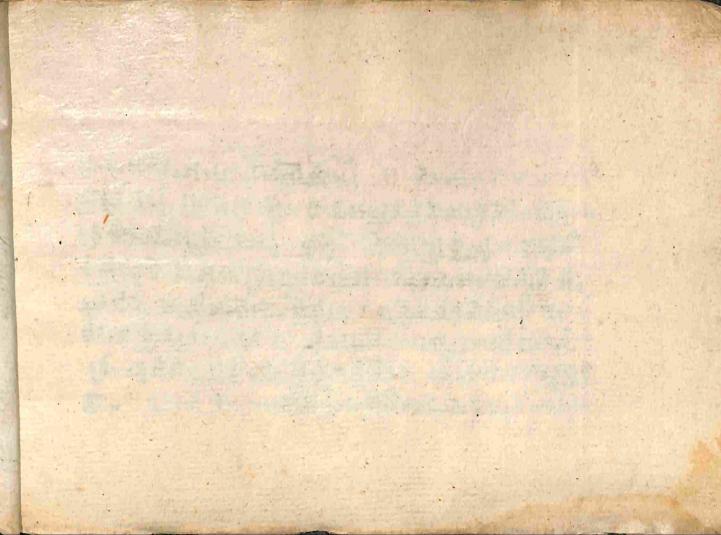












हिमीमिनिक्रगवहिन्भः ॥ हिम्हिन्बेड्वाम ॥ हि क्षराभिपांविष्टंभद्रभूग्ष्णिक्यांमिन मिलायाः मारिकाएराः धरंभचभुद्राधन्मेभी विनानिहरियं मिविवनद्यभविन ज्ञनभी विनाभगिभूरां राष्ट्रिभाज राधिड्यामा विनम्मसन्गभनं विनभमयभ्यामा ययनहरूलंभचंडं विद्यं मुक्थ पचित्र यं जिवी जिडन निक्मिलाजुराधिमारिका भार्ण्डवडविद्यंड भंदिर अतिश्मा स्विभागिला विधानस्वद्याधिनी थां

平。

पर्यम् अनुभद्धविष्ट्रिक्षिक उभुक्तभभद्धे उ वळ्याभावप्रमुक्ता गद्रभुमभभच्य भक्तागणे बल्डमा यरापयामाविष्ट पर्याष्ट्रभदभूमा गुण्यक्ष वर्गिक्ष पण्डे इस्वां प्रमा विष्ठ सुन्द्रिक लक्राभ्याष्ट्रधीयोगा नश्मीमारिक्भाइरा असदभुवारण्यु स्रीभदम्बर्धाः नवष्ट्राह्यः मीमारिक ठगवडी कवड़े मंग्नीएं भीमति: दुंकी लकं उद्भार विश्व सिन्छि देमविनियेगः एरं विनलइकेटिइ अभिक्ष्ममं वरिभगर् ठयम्झा

रुभा भिद्धभन् भी मिववाभयव नीनं हर्णे श्रेष्ठिभागी क्मीभा ॥ भिमानिक्चितिकार विज्ञवाभाष्ट्रिणी उने मार्ग रहेम्या ३ विद्रीविद्र के मानिये भार मारिकार्य मार्थकर मिलाये मार ग्रहे मानुग्रे मा भर्योग्राये हिंहे ०० ममञ्जितिकारी ममञ्जू उमाप गर्ये महन्यद्वाभक्य महि महनवादक्य मे दे पकावर्र धीराची धीरवरिक्र एक इतारी धीराध अपिश्व भीत्राचे भीत्रामाणचे उम्यंचे भ्राप्ते

मः

कल्प कन्य उम्दिशाण्य हैंग्हें अ श्रीभराक्षण हैं ह यनक्रभाष्टे हगार्थे क्यार्थे क्रमस्युक्षे जुनज्ञार्थे हमेरद करभेद परेड्स या भारत में भारत दें भहें भाश्ये भाश्ये भाग्ये प्राप्त प्र प्राप्त मिवण्य मिवणम्यण्य मरङ्गुण्य महा रक्षण्य विष्ठवदे भूभिणप्रभुष्य पण्य परिन्तु र पीवराष्ट्रउत्य म्रीय हुये भभनागार्थे भग्रही भग्रभराये बीएवे गा मही गम्हद्वश्ये १० वर्धवश्वराष्ट्राये श्वरदे श्वर

中部

र नक्या मलक्या राक्स एक्षाय प्राप्त प्राप्त मारिस वनवार वनवुरूपय मर्से माभाकवीशित्र उ॰ विरुभ रभागी वरुषे भभसुभाभाषित स्वार्य स्राप्त भ्रम्पर ज्यारवाहरा दिखें भ्रद्य भ्रद्भारा १ इड्डक्सः अकुष्ट इष्टे इप्रवय्ह्य भ्रांक् भ्रा अराक्ये अरदक्र है क्राये भूदभाई मिवानया य ॥ उस्मिस रुड्वयम् ॥ मड्नयी ००० ॥ विश्व मुक्कारी हवर्थ है हक्प्यार विश्वसद गलमा है विभविषंभिर्चे निमण्ये वसुर्ये वसण्यशुरुर्ये शुउय

म

मुरिएए गुरुष बहुय वेम्भय विहुष विण्ड्व ग्रेंच वर्षे बाभाये वास्त्रहें बाश्ये जुलाये जुल विग्रानीस विड्डुड्ड्विनलयार भूनयानंनभित्रहर्य यहिंचद यहाभाषाय याश्कृष रानधाङ्गाय यक्री यह एक ३ भावर भवर म्या प लियलारी थमअन्य भम्भुतारी थममर्थे नरक वुकाय नाद नाभियाय मीमय है मीमसीमधे मरायुण्य कामसद राउय होउय सहत्य प्रविच

वथमच्ये अन्य विद्यय भूभाषण्य अदिधार्य भन विग्रद्भाष्य अप्रकाश्वास्त्र भण्य भण्य अप्रवास्त्र अप्तास्त्र अप्रवास्त अप्तास्त्र अप्तास्त अप्तास्त्र अप्तास्त अप्तास्त अप्ता दर्ग्य दक्कुण्य भनेत्राच्य भद्र वैद्युप्य वैद्यु वैद्याराय भारतिङ्खे । भारतुः ये पीतवपूर्व प्रहे प्रचे गरीयमें कल्लानकर्ये कलशाएये कि गये काणभरी नीलारी राष्ट्र वागीमी नील प्रचारी भाश्वर मधाराण्या मार्थे मार्थे गाउँ भी है धरो गार्ये प्रयोग्सम्सस्य ये १ प्राच्छा अभना

44.0

भरिक्तिनयस्य नीउस कीउस कीडिकर कथाय विकाभाषिपार । असी गभार गभाभ्यार जिल्ल प्रवर्धे प्रविधालये प्रशे म्र अगुर्ये प्रभाष्ये ०० प्र भारति विद्यायाय एएएए समिभाग्या निर्मा भाभित निर्मे निर्मे न्यानिस्त लिस्त में निर्मे निर्मे हार्य महापाय निवृष्ट १ भटाय भडाय भनेष वित्ते भेष्युय युगच्याय याभुग्य यभुग्य यभुग्य याभ है या में महाये ३० मया यवगय मन्त्र भवाय भारत

धेरक्ट भनेमच् धेनचे भनक्षाराय भाकार्य रन्डव रहाये मः रानव वनमानिष्ट भागम्बल्म लयाय अभभगुरवद्गलाय अभनुभुद्धभानाम्बृय भानित भप्रांभुनारी क्रमस्य केमवाभारा ग्रमञ्जू रा मन्ध्रभय जनम्य भ्रमस्या य भववर्षभय भाउय भवाषारभर विष्टारी अन्ति सह गंसर मकाग्ये र भिन्मकाग्य कगरतिमिरी कक्रविक्रन'इ उपये भचभइ क्रान्याय सभाय सम्मार सम्माय देश हो

मः.

-

न्यरारिङ्ये नार्यक्ये १ न्युलिक्ये न्युण्ये न दमनिक्य अधिकत्य नद्दमार्थे नराग्य मन्त्र है महाय मिल्ली प्रति मिश्रूप्रभाग्यी मुक्पास इ कर्राहे भचारप्रवेद कलाये अन्यस्य अध्य १० नाम् क्रिक्त क्रिक क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्र क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त ज्ञ नद्भारा अनीराभन्न महे चक्रा अन्य क्र उम्भुक्त उम्रिक्षभूष ॥ इस्मि॥ उम्बेहि भभरक ये अप्त ॥ ३००॥ विडिक्रिंग्ये अस्राये

मलचे उडिद्रभक्षण्य भाउच उलाचे उन्नाभाष्ट्र ग्राची अक्रामामाम्बर्ग्य रंस्ट्री विवशाएये ०० रंमा है रंसुरवज्ञहारी रंसकाभकाला है। रंसुरान्दिशाइ क्य उग्रह्म उग्राम्य उग्राम्य उग्राम्भार । धार्य विश्व अपूर्ण अपूर्ण कार्य अपया अ रंसुरीसुदे स्थ्ये उक्रीमुसम्यक्य असाय उस्वाध्य र्यण्य जीक्षाहश्चर्य एल्ड इ रेक्रमें एएडवल्ये ग्रह्मल्ड एये ३ । ग्रह्म ह्र हिये वल्ये वल्या अल्या भारत्ये एक भन

म• भ• विमाधिकारी विसमभुत्रभागी कमलायी कमलेश्वारी क्रम्यद कलाहिन्द्रथे जुभार जुल्लिक्ये कलाय कभारत कमियाये कीगत कमनीया कपिति कालकार्य ठम्कार्य कालकाभावकारिष्ट क्यालिय क्यन्त्र क्रामयमन्त्रण क्रमभुद क्रमलाश्रु कमादि गुज्ञभष्ट्रय गुज्य गुज्ञ कार्गिरुम्हर्य क भनीयाय जनाजनाय करनाभुग्य १० करनाम्

विकालभुद्धिक काभुग्य मलक्य कामप्रधार्य का भिन्ने क्रभ्यानित क्रुप्राग्ये ज्या कर्ड क्रांग श्रामार्क्ये विद्वारण ग्यात्भनाय ग्यानिनाक्षी ग्रिटम् ग्याननामित ग्रिटका युषदशुर्ये १ पांसुक्ष प्रभाविषये वेषदे गीरानि त्रयाचे पिभावं विभावं विकार प्रत्ये प्रश्चिम् है गन्मवरमय गयन्य ॥ इसीसि॥ ग्रेम्बदेशप्य॥ म् ।। दिगम्बनुष्य गरापानियाय गउस मीउप मेव द्रीम है गम्न मनविष्ठ ए ये गासी द्रुषण्य

म॰

·

ग्रह्म गण्य गण्यन्त्रमण्य गण्यस्य अ ग्राण्डि भारति अएशुर्गे अएश्ये अनुरो अन्य थायी धानेमुद्दी अनवादनसहायी अक्रमाहरभादक व एउग्य रावलनिनयाय एउउधारी एनानयाय रामा है ए उन्य राष्य रुप्य रवर्जनावज्ञरुप्य माभीकर्तम्य मच् सन्दिक्यों मनुगविष्टे मन्यनार्थे महनार्थे मोर्ने सर्करण मह मज़्रीकनकप्रहार मज़्रीकथ गनाधार मभक्त्रभाषिष्ट मदलख मदह भाष् भन्य यद्यक्रभिष्ठयं मनिमुक्यारयं विद्ये अक्रम्प्रभाव पर गुर्वे कश्या के नया कि नभक्ष में मुख्य निय लाह्मितिय द्वीजीज्ञाय राष्ट्रवाय राय्याय राय्याय स्माइड सम्प्राय सम्भाष्ट्र सम्भाष्ट्र सम्भाष्ट्र सम्भाष्ट्र सम्भाष्ट्र सम्भाष्ट्र सम्भाष्ट्र सम्भाष्ट्र सम्भाष्ट्र रायां वर्षेय रें हैं राभागितार ये रागिता ये रागिता कारो रण्डे एगानिम्य एगानिय एमन्या एमन्य एमन्य एगर्य एक जिल्ला एक प्राप्त कि जीवाभर्य क क्राम् ल्ण्यण्य जवस्त्रीण्ड्रुधानुय क्रक्राज्यभार क्य एक्ष्यणय एक्एक्य एक्स् एभुजुन्लय एक्

T.

युण्य एकी उपय एका अत्रभद्रक्ये ॥ उसी भ ॥ ० जुग्य भुष्ट ॥ भग्गा ०ज्ञामार्टे ०कारिउयम्दे ०:ज्ञथार्थे ०: वल्फ्ट्रिय क्रामाभाइक्य म्क्राय म्क्रिय मवल मामा करा किल क्या कि किया कि निक्रमुखे किका क्रअश्टक ये न्मर्ये। न्याये न्यनामुखे न्याक्रम् लारी उदे उत्ये उन्नड्डार हिमार उपमिया । उन्नरी उति उगरी अमुिम विक्रिय हिमारी हिंग ल्ल्याय इसके दिनेकपड ३ रिवनमणे रहे हाथे शिक्त विक्रिया है विक्रिक्त है राज्ये शिक्ष मार्थिक विक्रिया है

उपमें दिश्वभुक्ष दिश्वभागिक दि दिनाकि दिश्वनार्थे उपी उपसः दलम थिट्टै उन्लक्ष्ट्र इसेट हैं उक्रम्मा भारक थे भूले भविज्ञार्य भूला भूले भूले क्रिते भविज्ञार्य भुलभाष्टि वक्णक्रमञ्ज्ञ अवुद्व किवस्ट मुस्युग्रग है भुवा प्रयाचे भीरानकाराय प्रीतिणग्वज्ञकार्य रे प्रमान्त्रापीट मृक्षाय म्विम्म् प्रवीयम् प्रजायट म्यान्य प्रमान्य इत् इक्याक्रमारक्ये प्रमुखे प्रमुखे पर्या मर्ये पनविविविष्टे पाउये प्रशुग्ये परवर्षे प्रकारमान्य

H.

#.

2

नितृ रातिकारी राधारी केरा कि राजा विकास नगमपुराणि निपेष्वनभष्टभूष्या नाम् नगरम् नीनीउभाव नामुद न्यष्ट्राय करण्य भूभव नर्हे नीग्रेक्ट्र नवक्षत्रमुख्य प्रमायद धमामृष्टि धमाभइयानाय धार्ये मुधार्ये ॥ उल्लिश्न ॥ थारकार चुडार विभाग विधीण विधान विभाग द्वित् थे भगतिवर्षे पाप्राप्तर् थिन वादनार थीव गभाय पर्य ४ए७ ये थीडनाई ०० पिडिभ्याय पण य पी०ः श्रिउच्य पीउवश्य मलक्ष्यक्रमण्ये भुग्वशुर्य

पहुँ भिक्त पश्चाय पर्यो ३ भवित्रभय धक्रा क्रायाहरूचे क्रन्यक भ्रतिहर्दश्य कीश्वाग्वहीयाधे जन्द दन्नी जिल्हा दन्द उत्तर उत्तर विकास ये अ वालिक्ये वालये वलिभिभ्यये वानुविभ्ये वर्ग में वकगरुविभाद्यकार्ये किम्कारी कीमपूर्वे कीमार्ये का मिणाय निवास हा हीभन क्ये हिरानक भावजा चै छिल्चिये डीडियाचे हम्मचे ह्याचित्रे हमभाना य हमाचाभार्य ५ हवा है हवडाविस्ट हमीयेन्स हमाक गर्वे हम्भुत्रे हम्भुषिष्ट हमिल्लभउ भ्रम्ये हक्पक्र

मार्क्य भाराय य भग्ड भञ्जुभय भञ्जभाग्य भद्रज्य सिन्म प्रयास्थ्य मिरक्षयथिएंडच्ये भाउदि भड भम्य भड्डभङ्च भन्द्रदे भस्य भारानम्य भग्न य अक्गजार प्रभाव यमिष्ट यं या प्रमाहि ये वृक्ष यपुः विवारी यहामही बहुद्धलारी यपुचेम्प्रमंद नाय यमेम्य यतिमत्य याश्य याश्य याश्यक्त्रकार्य येगीयुर येगगभुण्य येणीय्गान्यक्रलाय यम्थर्

o je

यभ्यु यक्रमाज्यसर्क्य भ्रमुद ग्राम्यस्त्य ॥ उसे भि॥ म्हार्यश्चा ।। १०।। विश्लभूलाय महामय रासारण है रिगद है रिगद रिग्य र हूँ गिर्धात्रप्रकारों गर्जी में गर्जी मार्च गर्जी गरमभावि उच्चे रिश्याचे रउश्रापाचे रकरा हुउ मापराचे निश्चे प्रदे ललक्षिक्षये लाभ्यस्यभागमा ज्याराजीवरा नाभ्य अ नकी अनानयाय मिन्हें ते क्वर ले क्या निष्यु ये निम्नाण्डा निष्ये निष्यु निष्यु निष्यु व लक्यक्यवित्र ३ लिसभीश्य कलिस है

सः

40

90

निम्भुत्र निम्निक्षित्र निम्निक्षित्र निम्निक्ष्य निम्निक्षित्य निम्निक्षिष्य निम्निक्ष्य निम्निक्ष्य निम्निक्ष्य चै लक्षामारभाष्ट्रकाचे कार्य वास्त्र वीरभव व रमायिहै नीरसद वीण राय नीरमचलमिकारी भः गण्याचे गण्ये गण्ये गभगचे गभगनुङ्ये गुउज्ये गणकार्य वष्टाय वष्टक्य बिल्लंभियार्थ वस्त्रक्री वप्रकृति वप्रकृति वप्रविचारी वप्रभियायी वासनेश्य वाभागारकनानभार्य वाउपय वाध्य वारीकार्य बस्भाइ १ वस्रहर्य वरीयान्य वयश्रय बक्राकाभक्रय मभुभ्यत्य । शानुनार्थे अस्ति । अस्ति । मिन्द्रानाचे मीडम्डसं च उ मीडरभण्य में में मोकरप्रण्य भीयक्र लाइनाये मचये मचवाभाद्गवाभित् अमा ममहभननक मार्नाउन्त मिन्द्र व मेचडर्ड १ मभीभूलाय मकार उपमाणाय थेन हैं भिन्मेड्रेभण्ये भिन्द्य धरुपराय धरूर्य ॥

धक्रमधाराय धक्रमीअभाषाभुष्य ॥ उत्लेभि ॥ धक्र भूगमहैभाषा ॥ उन्ना विश्वक्षय धवलक्ष्राभारक्य भग्भे अस्मवे भवाये भवगाये भवंडिभाषाये भभाये भीडाच भडीभाइ भागारहयद्वाचिष्ट ० भभभुभाषम भर् भाना के अम्मिल्य सम्भर्य भागाय भाष्ट्र भागाय भागवें एये अडिप्याये प्रमुधीविनया व १ ठउ ठव उरम्य भिद्यमन्य भेदिन मूर्य हिए भद्रभग्रहाये माण्णावक्रलाये भद्रशाविक्रणये छे विविकारित मार्गिकाय भागानीमाश्वरणय कवारे ३०

0.56

60

न्तरभार्य नभया छभाष्ट्रकारामध्य धीराय छिभारत भुरुषे उक्तिगर्य रेमान्यक्रापय रेम् व मान्त्रीकार्य है एंकगरी में एपिम्बानुभागी एंनीकरी जी उदिन इथार्थे एंकार्थे स्मान्धित्र प्रस्थित भागण्य लेकार्य रामी बहैं निश्य ५ राया कि है ले कार्गाराभेश्रय कथाएय माभ्रउद्गिष्ट विकारय रणग्रम्बदम् कंनीस्य भचभभाइ मही नंगीर्य विभनमञ्ज कः भोशुर्वे नःकार्वे कालिक्ये कविक्ये क्यालिहें कर्ने कार्ने कक्षलायें कड़ायें कामराधिहें

भ॰

03

क्रमेश्वर क्रांभर्ट क्रमण्एरी क्रांग्रेट क्रम्मारी क्रांल भानणि हैं कथाना अलचें हहें कथायें कफ़क्का गानिस उन विश्विभीवनय क्रिमिनाभिकानपन्तरायिहें जलाय जलपट्ये जलमाय जलाई जतजान्य काभमा य जनाजनभारता किम्म किमार कमार्य कामार्य किकिनाय कलदंभारी कलद्रियवहरी किलाय कल उपचे किलिहें ॥ उसीमा। जनक्षीसदेशका। जना। केंग्रहें अज्ञार्थ अज्ञारहें अज्ञारहें अवभाग्ने क नाय कलकलाय कथात्र कलिकलिमान्यस्कामित्र

o 34

為中

जुन्य ः जुजुमहाय कम्मीद जुमाक्य जुन्य क्रिमार्गे पाष्ट्रश्चे पाष्ट्रग्चे पाष्ट्रग्चे पाष्ट्रश्चे पाष्ट्रभ ये ग्राम्भारत ग्रिक्ट म्राम्य ग्राम्य ग्राम्य ग्राम्भ ने मिन्ने मामकी ग्रह्म के हिंदी मिन्न अन्ति अन्त गर्डवंभये गर्भीयये गहुचग्रमग्रहे जीउन्छथ्य विहे गरायग्रभंभुये ग्रभमंड गङ्गर्य गमनीहर्ड गिविन्रहिन गर्भगभर्थम् छुचै नेरुएयै गण्भुउ भण्ये ध्यानुपर्य ध्यापान्य किहें भ्रम्हर्ये मुहर्ये ग्राय मन्याय साम्बुधाय या माभीक विश्व मन्युपाय म

P.

H.

OF

महत्रु महत्रुपर कश्रियार सर्वेष्ट्र किन्करर राज रण्य उपया एयम्य २ ग्नि र ग्लाभुय ग क्षद नम्मिन्य मुहार्थे प्रभाषित एकाय प्रमण्ये एक्षाये मद्यभुभये व्हतिहै क्ष गर्वे मधुगर्वे मधुगपिष्टे म्कार्वे म्कार्ये क्रण्य उच्च उच्चित्रय जीयम् अग्रानभक्तभ भित्राय उन स्नित्रवाउन मनाय मनाइपारी मारेउक्रय क्रीयक याम क्रिक्स कर्ने करें अपने करें अपने करें भिज्ञ राजनातिङ्ज्य पम्मारभुत्रपर्य पम्मंभिङ्ग्ये ७

दिन्द्रीवरनेश्य दलम्पनेकदेश्य विलिधिनुलम्पने द्रउचे वहदेउचे भिभिष्ठक्रके अपनिभान्यक्रय यिताभंगरियाय युगण्येकिभन्न व मिकिरिभुर्भा च मस्त्रमाप्य ००० लक्षीमन्द्रभाग्य नय क्रजनयभी गाठवेक्युउपर गमन्वित्रज्ञाय मीमैंन5उराभाग्ये मार्गकार्ये धनुभाभाग्ये ध हरें में के देखें भाषा हरे का भेगा ये के कार के का क्रानम्डि ॰ अन्कड्ड भरमानभन्ड येनीनभः भुद दरमदानभीभूग दिश्कदराक्षित नंभद्रि

म•

40

yo

ग्रुपय नंबल्य मयश्चयाभ्याय म्यलभ्रिविद्र र ।। उस्मेशा एउवस्म ॥ विमानिक यैनीन्भः श्रुष्ट ॥०० ०३॥ छिडिम्रीमारिकामहाभद्रनाभभद्रभूकभा प्रदेपद्या नशुरं नरं रेम्र वयशाडमा दरंगः थ० यम् विम् वयदा म् । । भागवहगवद्भवः भडे क्राविभनः भनः क्कृलं चिक्रलं वर हिक्रलं ५० डेनरः सामाग्रधीरी विज्यभ्रष्ट दलंगर अव्हें विणक्षेत्र मुंद्र स्मा + Phi किकारी बाउरिडक्ड अना स्त्रिपिड विस्थिकाशी in his भट्टःमभयउँ मित्रुयथः थे विमि म्थभारंक

रूपीरं मुलंगे म् हग हरभी भाभभार् पण्डा भी ने मु डप्रवर्भा हिममिविकिन्सियम् भार्मियम् भद्रमानिमानिकाराग्या हवेंग मेड्याम् ५० च्यु दिवा गिर्वहर्य म्हानिस्गिर्मिर्मभ्रम्भाग्निक्सा व्हेलइग्भकीलं मारीश्रमहिष्युं यः भण्मित नेनायं विज्यामवभिविषे प्रयेष्यं दिवा गैड उद्याह दर्भ य बहुष्टं गीदरं भग्भनं भगिवणभा भक्षभङ्क उंग्रमाल्गारेम्बभा भुगंब रङ्ग्या मरावार्भम्यः भागवसाअभिदेशमञ्जीनिक्धिकः स्वस्त्रम्भितिविवीरमेकु

म॰

41.

क्षा राज्ञ । यज्ञ न्य प्रश्रम् । यज्ञ मिन्न भिन्न प्रश्रम् हिवारं मुझ्य यु अध्वेष्ठ विचाः विकिन्न कं उदिन भाषकितीरभणकः भइवात्रनभभात्रेभद्दामार्थाः मितः मित्रं भाषारा प्रविमे था देवरं मुहमा उद्दे क्थापं इतुः धरहितिवंश्ण्यं उतिनाभन्भुतिमा मक्रयाभनेदाभी निध्यहण्यानिक नेपनीयं स श्रीवर्ग ॥ उतिम्निक्यभल उर्गमिक्श वर्गम किक्मच्याभमद्भमभ्य लभी ॥ मुरुभी ॥ हर्म्स्यभा

निविद्धिक इक्यान्य हुन प्रदेश हुन विविद्ध 阿拉克斯中部外 16世中中于中央中部共和国 them in the Easth seams the must be 的母类 种种医疗医毒素或的 供食工品的品种作品 计自由 क्षाण्ड्रजा परहारिति वेद्यार्थे प्रतिमान विद्यार्थे सा क्रिकेश्वर ने स्वाचित्र में क्षेत्र के स्वाचित्र के स्वाचित्र अभिवर्ग ॥ उनिर्मा महत्यमान्त्र राम विद्याप्त अ विकास निकास मा निकार ।। विकास के विस्तान मा किरान ।। किरान विस्तान विस्तान विस्तान ।।

